बाबा मुक्तानन्द की एक सिखावनी

मुक्तेश्वरी, सूक्ति ४८३

पंचाक्षरी मन्त्र सर्व-देवमय, सर्व-तीर्थमय है;
इसमें जगत का उदय और लय है।
मुक्तानन्द! उसे सदैव जपा कर।

~बाबा मुक्तानन्द

© २०२३ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।

स्वामी मुक्तानन्द, मुक्तेश्वरी [चित्शक्ति पब्लिकेशन्स, २०१४], पृ. १३८।
'मुक्तेश्वरी' पुस्तक सिद्धयोग बुकस्टोर में उपलब्ध है।